सत्यमेव जयते

కొలామి-తెలుగు బాస కరప్నడ్
కొలామి-తెలుగు భాషాబోధిని
कोलामी-तेलुगु भाषा प्रवेशिका
KOLAMI-TELUGU PRIMER

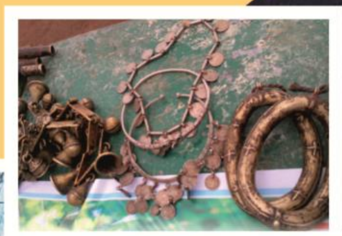

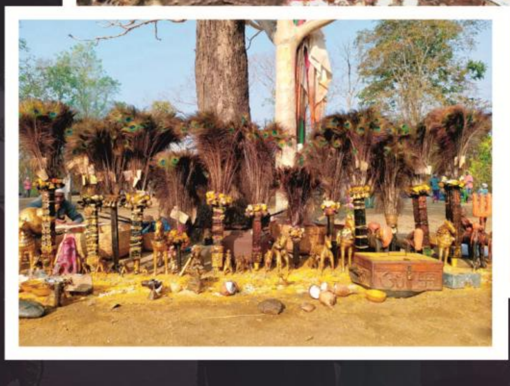

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

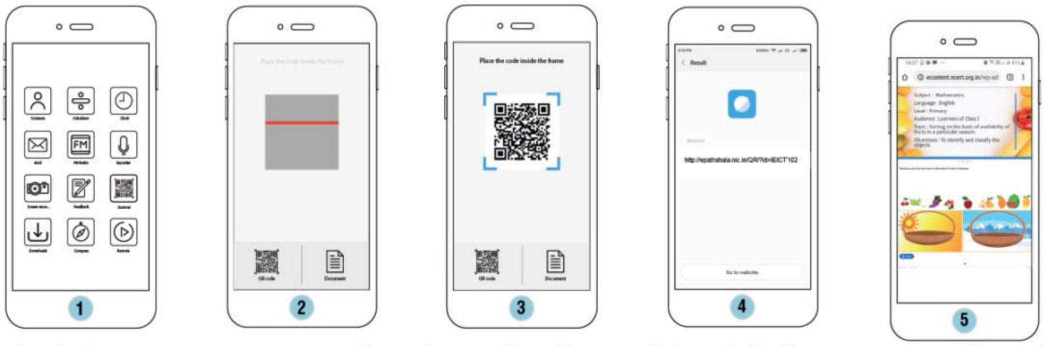

प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें	क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें	स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें	लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें	उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

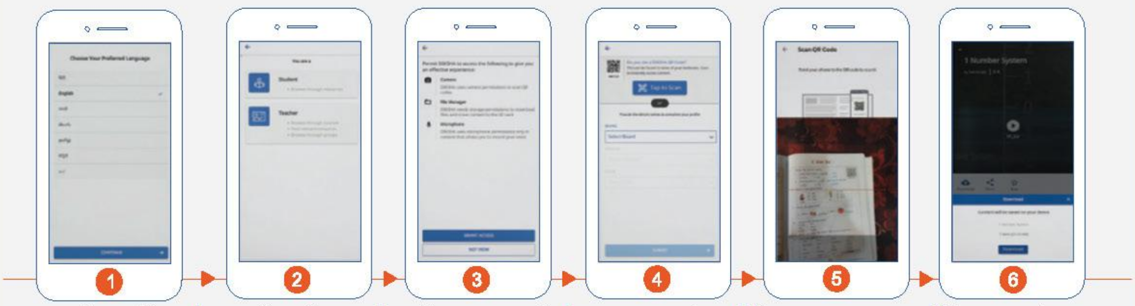

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें	अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी	पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें	क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें	कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें	क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं। ”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

కొలామి-తెలుగు బాస కరప్నడ్

కొలామి-తెలుగు భాషాబోధిని

कोलामी-तेलुगु भाषा प्रवेशिका

KOLAMI-TELUGU PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

కొలామి-తెలుగు బాస కరప్నడ్
కొలామి-తెలుగు భాషాబోధిని
कोलामी-तेलुगु भाषा प्रवेशिका
KOLAMI-TELUGU PRIMER

A basal reader of Kolami alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Dupukuntla Rameshbhushan
Rajakrishna M

ISBN: 978-81-977442-5-9

First Edition: July, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: G. Yuvaraj
Cover Photo: Kolami Language Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर्स) का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

जुलाई 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है, जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognizing, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

భారతదేశం యుగయుగాలుగా వివిధ ప్రాంతాల్లో మాట్లాడే అనేక భాషలుగలిగిన బహుభాషా దేశంగా ఉంది. మౌఖిక సంభాషణల్లో బహుభాషలను ఉపయోగించడం అనేది మన దేశ ప్రజల సాధారణ లక్షణం. అది మనల్ని కలుపుతూ కలిసికట్టుగా ఉండేటట్లు చేసి ఐకమత్యాన్ని పెంపొందిస్తుంది. భారతదేశ బహుభాషా స్వభావం ఒక బ్రహ్మాండమైన సంపద అనే ఆలోచనను జాతీయ విద్యా విధానం (ఎన్ఇపి-2020) గట్టిగా నొక్కి చెప్పింది. దేశ సామాజిక-సాంస్కృతిక, ఆర్థిక, విద్యా అభివృద్ధికి దీనిని సమర్ధవంతంగా ఉపయోగించుకోవాల్సిన అవసరం ఉందనీ బహుభాషావాదాన్ని విద్యలో ప్రతి స్థాయిలో ప్రోత్సహించాలని ఇది సిఫార్సు చేస్తుంది. తద్వారా అభ్యాసకులు వారి స్వంత భాష(ల)లో చదువుకునే అవకాశాన్ని పొందుతారు. అన్ని భారతీయ భాషలలో బోధన-అభ్యసన సామాగ్రిని సృష్టించడం, ఆ

విధంగా బహుభాషా సంపదను పెంచి, 'వికసిత్ భారత్'కి ఒక మెరుగైన సహకారాన్ని అందించడానికి వీలు కల్పిస్తుంది. ఎన్.ఇ.పి-2020కి అనుగుణమైన ప్రారంభ - శ్రేణి ప్రథమ వాచకాలను అభివృద్ధి చేయడం, భారతదేశంలోని ప్రతి ప్రాంత ప్రత్యేక భాషా సాంస్కృతిక లక్షణాలను సంబోధించే ఒక సమగ్ర, అంతర్గ్రాహ్య విధానం వాటికి అవసరం. ఈ ప్రథమ వాచకాలు చదవడం, రాయడంలో భాషా ప్రావీణ్యాన్ని అందించడమే కాకుండా ప్రారంభ దశ అభ్యాసకులలో సృజనాత్మకతను, విమర్శనాత్మక ఆలోచనను పెంపొందించడాన్ని లక్ష్యంగా పెట్టుకున్నాయి. ఒక భాషా చిహ్నాలను, వర్ణమాల అక్షరాలను ఉచ్చరించటానికి, గుర్తించడానికి, గ్రహించటానికి ఇది ఎంతో కీలకం. పదాది, పదమధ్యమం, పదాంత స్థానాల్లోని ఈ అక్షరాల వంటి వాటి కలయికల ద్వారా రూపొందించబడిన ఒకటి లేదా అంతకంటే ఎక్కువ జతల అక్షరాల అర్థాన్ని కూడా పిల్లలకు పరిచయం చేస్తుంది. అంతేకాకుండా, ఇది తరువాత పరిచయం చేయబోయే అక్షరాలు రాసే అభ్యాసాన్ని సులభతరం చేసే ఉదాహరణలను అందిస్తుంది; ప్రాసగేయాలు అభ్యాసకులకు వారి భాషాభివృద్ధికీ అభిజ్ఞ నైపుణ్యాలకు సహాయపడతాయి.

जुलाई 2024 — प्रो. शैलेंद्र मोहन

मैसूरु — निदेशक

भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Kolami-Telugu Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Member Coordinators

Sujoy Sarkar, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru
Rajakrishna M, Senior Resource Person, SPPEL, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Athram Yashwanth Rao, SGT, Kolami Coordinator, ITDA Utnoor, Adilabad District, Telangana
Tekam Sudhakar, SGT TWPS Narayanpur, School complex, AHS (G) Mediguda, Adilabad District, Telanagana
Madavi Mothiram, SGT TWPS Garenguda School complex, AHS (G) Rasimetta, Komram Bheem Asifabad District, Telanagana
Tekam Tulasiram, Kolami Language Resource Person, Rajulkori (V), Bheempur (M), Adilabad District, Telanagana
Dupukuntla Rameshbhushan, Junior Resource Person, SPPEL, CIIL, Mysuru
T. Mahendar Reddy, Junior Resource Person, SPPEL, CIIL, Mysuru

Telugu Reviewers

Karimindla Lavanya, Professor, Department of Telugu Studies, Telangana University, Nizamabad, Telangana
Kalyadapu Ramesh, Senior Fellow, Centre of Excellence for Studies in Classical Telugu, Nellore, AP

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical) NTM, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
Saravanan A S, Graphic Editor, SPPEL, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, Central Institute of Indian Languages, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

భాషాబోధన పుస్తకాన్ని ఎలా బోధించాలి?

జాతీయ విద్యా విధానం-2020, జాతీయ పాఠ్యప్రణాళిక చట్రం-2022ల ప్రకారం, మూడు నుండి ఎనిమిది సంవత్సరాల వయస్సుగల పిల్లలకు వారి మాతృభాష, ఇంటిభాష, స్థానికభాష, ప్రాంతీయభాషలలో విద్యను అందించడానికి ఏర్పాట్లు చేయడం జరిగింది. భారతదేశంలోని గిరిజనుల ప్రాబల్యం ఉన్న ప్రాంతాల్లోని పిల్లలు తరగతి గది విద్యావిధానాన్ని అర్థం చేసుకోలేరు. ఇది పాఠశాల విద్యావ్యవస్థపైన ఎంతో ప్రభావం చూపుతుంది. అందుకే 3 నుండి 5 సంవత్సరాల పిల్లలకు కిండర్ గార్టెన్, I-II తరగతి పిల్లలకు ప్రాథమికస్థాయిలో ప్రాథమిక అక్షరాస్యతను అందించడానికి కేంద్రప్రభుత్వం ఏర్పాట్లు చేసింది. ఇందులో స్థానిక పాటలు, కథల ద్వారా పిల్లల నిరాసక్తతను తొలగించడం, తద్వారా వారి మౌఖిక భాషను అభివృద్ధి చేయడంపై దృష్టి పెట్టింది. పుస్తకంలోని కథ, చిత్రాలు, సంభాషణల ద్వారా ఈ పని జరుగుతుంది. దీనితోపాటుగా భాషాబోధన పుస్తకం పిల్లలకు ధ్వని పరిచయం, అక్షర పరిచయం, చదవడం, రాయడం వంటివాటి సాధన కోసం కూడా ఉపయోగించటం జరుగుతుంది.

తెలంగాణలో 9.3,మహారాష్ట్రలో 9.35 శాతం మంది గిరిజనులు ఉన్నారు. కొలామి భాష మాట్లాడే కోలాంలు ఈ రెండు రాష్ట్రాలలోని జిల్లాలైన ఆదిలాబాద్, ఆసిఫాబాద్, నిర్మల్, మంచిర్యాల మరియు యవత్‌మాల్, చంద్రపూర్, వర్ధ, నాందేడ్ జిల్లాల్లో నివాసం ఉంటున్నారు. వారి ఆవాసాలు ఎక్కువగా అడవులు, పర్వత ప్రాంతాల్లో ఉన్నాయి. కిండర్ గార్టెన్ స్థాయి నుండి 3వ తరగతి వరకు గిరిజన పిల్లలకు వారి మాతృభాషలోనే బోధించడం వలన వారిలో సృజనాత్మకతను, కల్పనా శక్తిని అభివృద్ధిపరచటంతోపాటు, వారి మేధోవికాసానికి ఎంతగానో సహాయపడుతుంది. తెలంగాణ, మహారాష్ట్ర రాష్ట్రాలలోని కొలాం గిరిజన పిల్లలు తరగతిలో ఇతర భాషలను సరిగ్గా చదవలేరు, ఇంకా రాయలేరు కూడా. ఎందుకంటే ఆ పిల్లలు పాఠశాలలో ప్రాథమిక అక్షరాస్యతను బహిర్గతం చేయలేరు. పిల్లలు వారి మాతృభాషలోనే చదవడం, రాయడం నేర్చుకోవడంతోపాటుగా తెలుగు, హిందీ, ఇంకా ఇంగ్లీషు భాషలను క్రమంగా చదవడం, రాయడం ఎలా నేర్చుకోగలరో ఆ అర్థవంతమైన పద్ధతిని జాతీయ పాఠ్యప్రణాళిక చట్రం-2022లో వివరంగా రాసి ఉంది. పిల్లలు మొదట చదవడం, రాయడం నేర్చుకుంటారు. అందువల్ల, ఈ కొలామి భాషా వర్ణమాల పుస్తకంలో పిల్లల మాతృభాషకు తెలుగు భాషలో అన్ని అక్షరాలు, శబ్దాలు, అర్థాలకు స్థానం ఇవ్వబడింది. పిల్లల సంస్కృతి, పర్యావరణం నుంచి పదాలను సేకరించి పుస్తకంలో స్థానం కల్పించడం జరిగింది.

బహుభాషావిద్య ప్రాథమిక లక్ష్యం వారి ఇంటిభాషలో చదవడం, రాయడం ప్రారంభించడం ద్వారా రాష్ట్ర భాషలో చదవడం, రాయడంలో పిల్లల నైపుణ్యాన్ని పెంచడం. కొలామి భాషకు తెలుగు భాషలో అర్థాలతో అందించబడిన ఈ పుస్తకం తెలంగాణలోని రాష్ట్ర ఉపాధ్యాయులు, అభ్యాసకుల కోసం రూపొందించడం జరిగింది. ప్రాథమిక అక్షరాస్యతకు నాలుగు ప్రధాన దశలు ఉన్నాయి. మొదటి దశలో కథలు, కథనాలు, ఇంకా చిత్రాల ద్వారా పిల్లల మేధో వికాసం జరుగుతుంది. ఆ తర్వాత భాష నేర్చుకోవడానికి పిల్లలకు వస్తువులతోపాటుగా పదాలను పరిచయం చేయడం జరుగుతుంది. ఆయా పదాలలో అమర్చబడిన అక్షరాలు కూడా గుర్తించబడతాయి. ఈ పుస్తకంలో పిల్లలు వివిధ అక్షరాలను విసంకేతించడం నేర్చుకుంటారు. ఈ విసంకేతనం ద్వారా పిల్లలు శబ్దాలకూ అక్షరాలకు మధ్య సంబంధాన్ని అర్థం చేసుకోగలుగుతారు. ఈ భాషాబోధన పుస్తకాన్ని ఎలా చదవాలనే దానిపై ప్రాథమిక అంశాలు కింద ఉన్నాయి. అవి:

- **ధ్వని పరిచయం:** పిల్లలు చిత్రాన్ని చూసిన తర్వాత దాని పేరు చెబుతారు. ఉపాధ్యాయుడు ఈ చిత్రం పేరు ఏ శబ్దంతో ప్రారంభమవుతుంది? అని అడుగుతాడు. ఉదాహరణకు, 'అమ్మ' చిత్రాన్ని చూసిన తర్వాత, అది 'అ' శబ్దంతో మొదలవుతుందని పిల్లలు గుర్తించి చెబుతారు.
- **వర్ణమాల పరిచయం:** ఉపాధ్యాయుడు మొదట పిల్లలకు 'అ' అక్షరం ఎలా కనిపిస్తుందో చెబుతాడు. పిల్లలకు ఇచ్చిన కొన్ని పదాలలో నుండి 'అ' అక్షరాన్ని గుర్తించమని అడుగుతాడు. పిల్లలు మూడు-నాలుగు పదాల నుండి 'అ' అక్షరాన్ని గుర్తించి, ఆ శబ్దాన్ని ఉచ్చరిస్తారు. అలాగే 'అ' అక్షరాన్ని రాయడం సాధన చేస్తారు.
- **పఠనం:** పిల్లలు చిత్రాలను చూసి, వాటికి వారి స్వంత భాషలో పదాలను చెబుతారు. పిల్లలు ఆ పదం మీద తమ వేలిని పెట్టి ఎడమ నుండి కుడికి కదిలిస్తూ 'అమ్మ' అని చదువుతారు. 'అ' తో వచ్చే ఇతర పదాలను కూడా చదవడం ద్వారా

పిల్లలు 'అ'ని గుర్తించి మాట్లాడతారు. పదాది, పదమధ్యమం, పదాంతాలలో 'అ' ఎక్కడ ఉందో చూపించి, దాని రూపాన్ని గురించి ఉపాధ్యాయుడు పిల్లలకు వివరిస్తాడు.

'అ' అక్షరాన్ని చదువుతున్నప్పుడు, ఉపాధ్యాయుడు 'అమ్మ' అనే పదంతో పాటు మరో మూడు-నాలుగు పదాలను కూడా బ్లాక్ బోర్డు మీద రాస్తాడు. పిల్లలను ఒక్కొక్కరిగా పిలుస్తాడు. పదాలను చదవడానికీ అక్షరాలను గుర్తించడానికి ఈ పదాలన్నింటినీ పిల్లల ప్రపంచం నుండి తీసుకోవడం జరిగింది. పుస్తకంలోని చిత్రాలను చూడటం ద్వారా పిల్లలు ఈ పదాలను గుర్తించగలుగుతారు. ఉపాధ్యాయుడు ఒక పదాన్ని రాసి, దానిలోని ప్రతి అక్షరాన్ని విడివిడిగా చదవమని పిల్లలను అడిగి, అక్షరాలను చేర్చడం ద్వారా ఆ పదాన్ని చదవమని అడుగుతాడు. దీనివలన పిల్లలకు వర్ణమాల,పదాలు, శబ్దాలను కూడా పరిచయం చేయటం జరుగుతుంది. ఒక పిల్లవాడు ఒక పదాన్ని చదివినప్పుడు, ఇతర పిల్లలు అతనితో కలిసి ఆ పదాన్ని పునరావృతం చేస్తారు. దీనినే 'సామూహిక పఠనం' అని అంటారు.

- **రాయడం:** ఉపాధ్యాయులు ముందుగా పిల్లలకు 'అమ్మ' అనే పదానికి 'అ' ని రాయడం నేర్పుతారు. ఎడమ నుండి కుడికి రాయడానికి (కలాన్ని) ఎలా కదిలించాలో ఉపాధ్యాయుడు ప్రదర్శిస్తాడు. దీనినే 'సహాయక రచన' (సపోర్టింగ్ రైటింగ్) అంటారు. ఆ తర్వాత, పుస్తకంలో ఇచ్చిన ఖాళీస్థలంలో మిగిలిన అక్షరాలను చూసి పిల్లలు స్వయంగా 'అ' అనే అక్షరాన్ని రాస్తారు. పిల్లలు చదివేటప్పుడు, రాసేటప్పుడు ఉపాధ్యాయుడు ఈ విషయంలో వారికి సహాయం చేస్తాడు.

పిల్లల మౌఖిక భాషాభివృద్ధి కోసం ప్రతి పాఠంలో మూడు-నాలుగు వాక్యాలతో ప్రాసగేయాలు రాసి ఉన్నాయి. ఉపాధ్యాయుడు వాటిని పాడుతూ చదవడం ద్వారా పిల్లలతో పలికిస్తారు. పాఠశాల గ్రంథాలయంలో ఉన్న పిల్లల కథల పుస్తకాన్ని చదివిన తర్వాత, ఉపాధ్యాయుడు పిల్లలభాషలో ఆ కథను చెబుతాడు. ఉపాధ్యాయుడు 1-2 తరగతుల పిల్లలకు వారి మాతృభాషలో కథలను, పాటలను చెబుతాడు. ఈ పుస్తకంలో ఇచ్చిన పదాలు అక్షరాస్యతకు ఉదాహరణలు మాత్రమే. పిల్లలకు వందల పదాలు తెలిసివుండవచ్చు కాబట్టి ఒకే అక్షర పదాన్ని అడగడం ద్వారా, పిల్లలు చాలా పదాలను పఠించగలరు (ఉదాహరణకు, 'అ'తో ప్రారంభమయ్యే కొన్ని పదాలను ఉపాధ్యాయుడు పిల్లలతో చెప్పించాలి).

కొలామి భాషను రాయడానికి సొంత లిపి లేనందున, దానిని రాయడానికి తెలుగులిపిని ఉపయోగించి ఆ లిపిలోని అక్షరాలకు అవసరమైన కొన్ని మార్పులను చేసుకొని దానిని ఉపయోగించడం జరిగింది. పిల్లల సౌలభ్యం కోసం, కొలామి భాష అభివృద్ధి కోసం ఈ భాషను రాయడానికి ఉపయోగిస్తున్న (తెలుగు లిపి) అక్షరాలతో కూడిన వర్ణమాల నుండి ప్రాసగేయాలు, పదాలు, అక్షరాలు ఇవ్వబడ్డాయి. ఈ కొలామి భాషను నేర్చుకునేటప్పుడు, పిల్లలు వారి మాతృభాష నుండి తెలుగు శబ్దాలనూ లిపిని నేర్చుకుంటారు. ఆ తర్వాత కొలామి భాషలో ఉపయోగించబడని మిగిలిన తెలుగు వర్ణమాలలోని అక్షరాలను (వేరే పట్టికగా ఇవ్వడం జరిగింది) కలిపి పూర్తి కొలామి భాషాబోధన పుస్తకాన్ని అందించడం జరిగింది. ఎందుకంటే భవిష్యత్తులో విద్యార్థులు తెలుగును సులభంగా నేర్చుకోవడానికి కూడా ఇది ఉపయోగపడుతుంది.

కొలామి భాషను రాయడానికి తెలుగు లిపిలోని అక్షరాలను అన్వయించి బోధించేటప్పుడు ఉపాధ్యాయులు గుర్తుంచుకోవలసిన ముఖ్యమైన అంశం: కొలామి భాషలో ఉపయోగించనటువంటి తెలుగు వర్ణమాలలోని మిగిలిన అక్షరాలను (ప్రత్యేకించి మహాప్రాణ అక్షరాలు, అనునాసికాలు) అంచెల వారీగా నేర్పాలి. దానివల్ల విద్యార్థులకు తెలుగు వర్ణమాలతో పూర్తిస్థాయి అవగాహన ఏర్పడుతుంది. తదుపరి తరగతులలో వారికి తెలుగు భాషను నేర్చుకోవడం సులభం అవుతుంది.

రాష్ట్రంలోని పాఠశాలల్లో పంపిణీ చేసిన "ఉపాధ్యాయ సహాయక కరదీపిక" చదవడం ద్వారా మీరు ప్రాథమిక అక్షరాస్యత గురించి మరింత తెలుసుకోవచ్చు.

బూడున్ సియ్‌త గీతలున్ ఓలుత్ సుక్కలున్ కలపుర్:

నీటం గీత-1:

అడ్డం గీత-2 :

ఉన్నవయ్ వజ్‌త గీత-1:

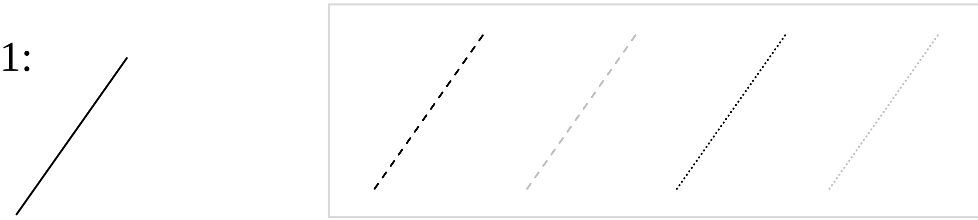

ఎడమవయ్ వజ్‌త గీత-2:

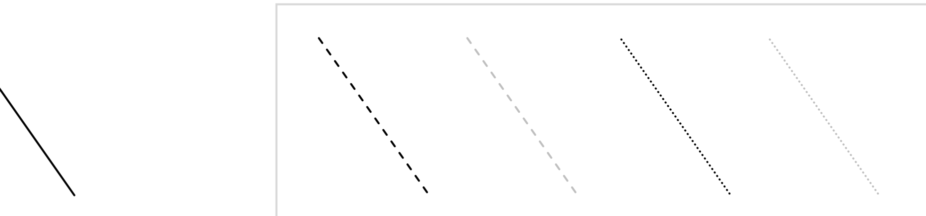

ఉన్నవంక-1:

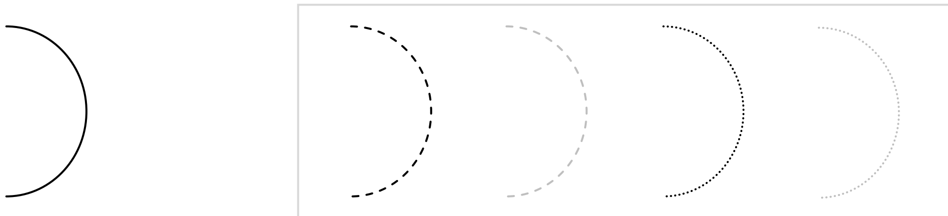

ఎడమవంక-2:

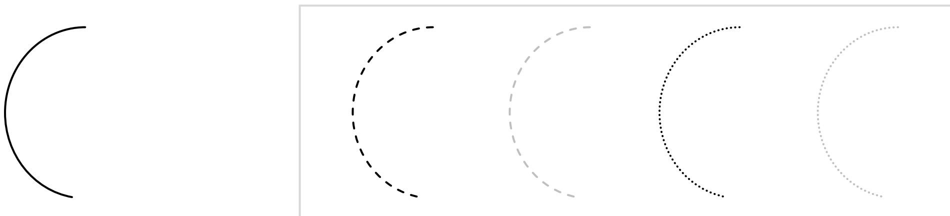

ఒకొ గొట్టి: మాస్తర్ ఎనజ్ వాయెకదొ పెన్ తోదా పెన్సిలడ్ వాయుత్ ఇడ్డెజ్.

అక్షరమాల

అచ్చు అక్షరా

అ ఆ ఇ ఈ ఉ ఊ

ఎ ఏ ఒ ఓ అం

హల్లు అక్షరా

క గ ఙ

చ జ

ట డ

త ద న

ప బ మ

య ర ల వ స

ఈ బూడ తెలుగు అక్సరా కొలామి బాసత్ వాడెకతి తోతే:

ఋ ఐ ఔ అం అః

ఖ ఘ

ఛ ఝ ఞ

ఠ ఢ ణ

థ ధ

ఫ భ

శ ష ళ హా క్ష ఱ

# అ	అమ్మ
	అమ్మ

అమ్మబాంద్ జన్మ సియ్‌తెర్
దాదక్ అవ్వ వాగ్‌నుక్ ఇడ్‌తెర్
అయ్యక్ అక్కు అజడి సెద్దెర్
అనుజ్ ఒకో అర్స కొత్తెర్

అజడి	అర్స	అడవి
సంత	అద్దం	అడవి

అ	అ	అ	

ఆ

ఆట

ఆట

ఆన్ ఆటోత్ సాడపై సెద్దున్
పోరకెర్ సాడత్ ఆట ఆడ్‌నెర్
ఆబర్ డమ్మ ఎద్దిన్
ఆన్ తూలెజ్ ఎద్దన్

ఆగె	ఆబర్	ఆతె
కోడిపెట్ట	ఆకాశం	కుక్క

ఆ ఆ ఆ

ఇ

ఇట్కె

ఇటుక

దుర్రత ఇట్కె ఎరోడి

సిమెంట్‌త ఇట్కె తెలోడి

ఇప్పమాక్ ములోడి

ఇర్రలె రిబ్బిన్ల్ పసోడి

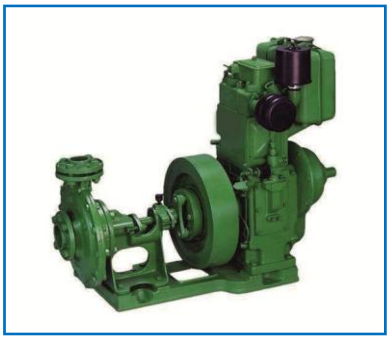

ఇప్పమాక్	ఇన్మ్	ఇంజన్
ఇప్పచెట్టు	ఇనుము	ఇంజను

ఇ ఇ ఇ

ఈ

ఈర్

నీరు

ఈర్ ఈర్ వంతత ఈర్

వంతత్ పోరకెర్ ఈంతెర్

అపుడి వాన వరెజ్ ఎద్దిన్

ఈస్రె ఉడల్తె ఓల్తెర్

ఈరదొద్దెం	ఈస్రే	ఈంద్
జలపాతం	ఉసిళ్ళు	ఈత

ఈ	ఈ	ఈ	

ఉ

ఉడ్తు

కబడ్డీ

ఊర పోరకెర్ ఉడ్తు ఆటెర్
ఉడ్తు ఉడ్తు ఇంతెర్
అమ్మ సియ్ఁత ఉల్వా తిందెర్
బాంద్ కొత్త ఉసుర్కా తిందెర్

ఉల్లి	ఉసుర్క	ఉల్వా
ఉల్లిగడ్డ	ఉసిరికాయ	ఉలవలు

ఉ ఉ ఉ

ఊ

ఊస్

చెరకు

ఊస్ తినెజ్ తిర్రె తిర్రె

ఊస్త బెల్లి ఎర్రె ఎర్రె

బెల్లిత పోలే తిర్రె తిర్రె

ఊరముంది తిన్దెర్ కరె కరె

ఊసె	ఊర్	ఊట్
ఊయల	ఊరు	ఒంటె

ఊ ఊ ఊ

ఎ

ఎల్ల

ఇల్లు

ఎల్ల ఎల్ల ఆన్ అనెక ఎల్ల

ఎల్ల లోప ఎల్కల మంద

ఎల్ల ముండట్ ఎరోడిపూత

ఎల్ల వెన్కవయ్ మల్లెపూత

ఎల్క	ఎరోడిపూత	ఎండె
ఎలుక	గులాబిపువ్వు	ఎండ్రికాయ

ఎ ఎ ఎ

ఏ

ఏలె పండ్ల్

నేరేడుపళ్ళు

వంత డర్డిత్ ఏలె మాక్
ఏలె మాకుత్ ఏలె పండ్ల్
పండ్లున్ ఏన్గి తినెజ్ ఎద్దిన్
ఏగర్ ఎోలడ్ ఓలెజ్ ఎద్దెంద్

	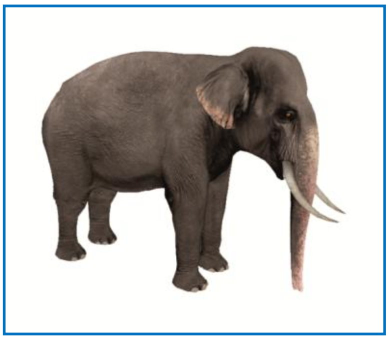	
ఏగ్	ఏన్గి	ఏగర్
ఆకు	ఏనుగు	మంచె

ఏ ఏ ఏ

ఒ

ఒజెరం

ఉంగరం

ఒకొ దినం జత్ర సెద్దాం

ఒకొ ఒజెరం సుమ్తాం

జత్రత్ ఒడ్సెల సుమ్తాం

జత్ర ఓలుత్ వత్తాం

ఒడ్సెల	కొవ్రి	తొగల్
ఒడిసెల	మంచిగుమ్మడి	కందులు

ఒ	ఒ	ఒ	

ఓ

ఓడ	
ఓడ	

ఓడ సమ్దురుత్ అన్సద్

ఓడ డర్డిజ్ వత్తిన్

ఓడపొౌదె ఉద్తాం

ఓల్స ఓల్స తిర్గ్తాం

ఓంబత్తి	ఓర్నం	తోండ్రిక్
కొవ్వొత్తి	గద్ద	దొండకాయలు

ఓ	ఓ	ఓ	

అం

అంబా

అన్నం

అంబా అంబా తా అంబా

అంబా అంబా సౌన్న అంబా

అంబా అంబా వల్ అంబా

అంబా అంబా మెక్కె అంబా

అంగుర్	పంద్రి	అంబడి
ద్రాక్షపండ్లు	పందిరి	గోంగూర

అం అం అం

క

కవ్వే

తాబేలు

కయ్యా కయ్యా సెద్దాం
కవ్వేన్ కండ్లడ్ ఓల్‌తాం
కవ్వేన్ సుమ్మెజ్ ఎద్దాం
గెట్టత కడయా రాప్‌తాం

కన్	కడియా	కజ్‌వ
కన్ను	కడియాలు	దువ్వెన

క క క

గ

గడి

గడియారం

టిక్ టిక్ గడి మొరాయ్‌తిన్

గజరిత ఈరున్ కాప్తిన్

టజ్ టజ్ గంటి మొరాయ్‌తిన్

సవరిలుత్ సాడజ్ సెదిన్

గంటి	గజరి	గంటె
గంట	గంగాళం	సజ్జలు

గ గ గ

ఙ

కొఙ

కొంగ

కొఙ కొఙ తెలొడి కొఙ

గఙ డర్డిత్ ఉద్తిన్

లెఙలె పిడ్న్దున్ తిందిన్

లెఙల గాయ్కి ఓల్తెంద్

లెఙ	రేఙ	నీఙ
దూడ	రేగుపండు	ఈగ

ఙ ఙ ఙ

చ

చత్రి

గొడుగు

సిన్నం చత్రి దండి చత్రి
దుకనుత్ ఓల్తె రజ్ రజ్త చత్రిక్
అమ్మ బానుజ్ దండి చత్రి
అనుజ్ తాందో సిన్నం చత్రి

చడ్డీ	చంచ	చన్ని
లాగు	చెంచా	కరణి

చ చ చ

జ

జత్ర

జాతర

జత్ర ఒలెజ్ సెదాం

జత్రత్ ఎన్నిగో రజ్‌ల బొమ్మ

జత్రత్ ఓల్తె కూబ్ మంది

జత్రత్ జిలబి తిందాం

జన్‌వర్ల్	జగ్గె	కోజ
జంతువులు	అంగి	కంచం

జ జ జ

ట

టమట

టమాట

టప టప వాన వత్తిన్

టమటల పంట పండ్‌తిన్

టగరిత్ టమట నిండిప్‌తాన్

టక టక అడ్‌గ్స సెద్దాన్

టగరి	టర్బుజ్	టప్రి
గమాల	పుచ్చకాయ	జడ

ట	ట	ట	

డ

డప్

డప్పు

అకడిత డప్ మొరాయ్‌తిన్
నాలీ సెలా డండరి ఏంతాం
డండా సుముత్ బాయినె ఏంతెర్
డండరి మంది కుసినడ్ ఓల్‌తెర్

డండరి	డబ్బ	డక్కి
నృత్యం	డబ్బా	ఢమరుకం

డ డ డ

త

తడ్క

తడిక

అడవిజ్ సెదాం పెదుల్ కోతాం
పెదుల్ల పద్దా ఓట్‌తాం
పెదుర్ తడ్క అల్‌తాం
తడ్కల ఇడ్వ్ కట్‌తాం

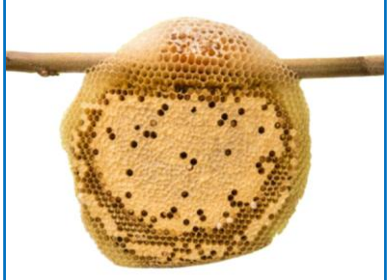		
తట్ట	తల్	తబ్ల
తేనెతుట్టె	తల	తబల

త	త	త	

ద

దర్వ్వాజ

గుమ్మం

వడెగి దర్వ్వాజ ఇదర్‌తెంద్

దర్వ్వాజజ్ రజ్ సియ్‌తెంద్

కొత్త ఎల్లజ్ దర్వ్వాజ కొత్తెంద్

దస్తి కట్టుత్ పూజ కత్తెంద్

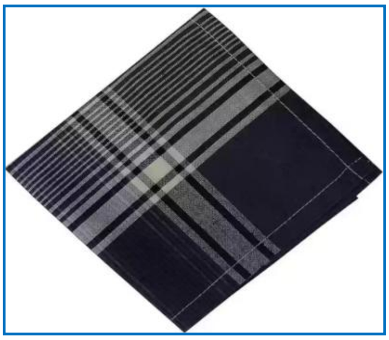

దనియ	దస్తి	దవకాన
దనియాలు	చేతిరుమాలు	ఆసుపత్రి

ద ద ద

న

నమ్లి

నెమలి

నమ్లి నమ్లి అడవిత నమ్లి

వాన వరెజ ఏందెక నమ్లి

ఒలెజ్ గుల్ సొబాత నమ్లి

గొసవినె టోపిత్ నమ్లినె పురకె

నంది	నల్ల	నప్రి
గంగిరెద్దు	కుళాయి	కంజర

న న న

ప

పండ్ల్

పండ్లు

పగ్గునె బాంద్ పట్నం సెద్దెంద్

పగ్గుజ్ ఒకొ పట్టె సుమ్‌తెంద్

దుకన్‌త పండ్లున్ ఓల్‌తెంద్

పండ్లున్ సుమ్ముృత్ కొత్తెంద్

పట్టె	పతజె	పందె
పలక	గాలిపటం	కప్ప

ప	ప	ప	

బ

బర్రె

గేదె

బర్రె బదజె ఔరాయ్‌తెంద్

బటనె బదజెజ్ తప్తెంద్

బర్రెనె పాలున్ వీటెంద్

బజార్ వెండి సుమ్తెంద్

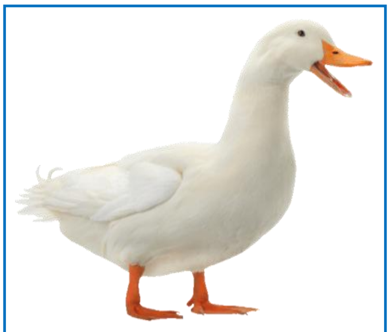

బదజె	బటానె	బజార్
బాతు	బఠాణీ	బంగారం

బ బ బ

మ

మర్రిమాక్

మర్రిచెట్టు

మర్రి మాక్‌త ఊడలున్ ఓల్
మడ్క బాజుజ్ మందిరున్ ఓల్
అండమంది కాల్ సుంతెర్ ఓల్
సదరుజ్ దెయ్యం పావిలద్ ఓల్

మందిర్	మక్క్	మందూ
మందిరం	మెడ	ఔషధాలు

మ మ మ

య

అయ్యుక్

భీందేవుడు

అయ్యుక్ అయ్యుక్ బీమయ్యుక్
అయ్యుక్ అయ్యుక్ కొండయ్యుక్
అయ్యుక్ అయ్యుక్ బైరయ్యుక్
అయ్యుక్ అయ్యుక్ కొతురయ్యుక్

కయ్య	కయ్యె	బియ్యం
కాలువ	చేప	బియ్యం

య య య

ర

దురడిపూత

మోదుగుపువ్వు

దురడి నెల తేర్‌తిన్
దురడిత పూత పూయ్‌తిన్
దురడిత డోల్ మొురయ్‌తిన్
జాజిరి జాజిరి ఇన్‌తాం

రబ్బల్	ఉరుల్‌సారపోత్	రయ్యక్
రబ్బరు	రక్తపింజర	రాబందు

ర ర ర

ల

లడ్డు

లడ్డు

లక్క కొసుత్ వీటెంద్

లసౌన్ లవుంగ సుమ్‌తెంద్

లడ్డుల దుకనుజ్ సెద్దెంద్

ఎల్లజ్ కొత్ తిన్‌దెంద్

లసౌన్	పోలయ్యక్	లక్క
ఎల్లిపాయ	ఇంద్రధనుస్సు	లక్క

ల	ల	ల	

వ

వన్స్

పిల్లనగ్రోవి

డోర్ గాయ్‌కి వన్స్ ఊంతెంద్
డోర్ సెత్‌న వల్లున్ తిందె
వంత దాటుత్ ఓల్‌తిన్
తూలి తూలి వత్తిన్

వజె	వల్	వక్కుర్
వంకాయ	వరిపంట	గుంటుక

వ	వ	వ	

స

సబ్బు

సబ్బు

సర్విత్ ఈర్ కొత్తిన్

సబ్బునడ్ ఈర్ ఒట్టిన్

సందొకత జుజె తొట్టిన్

సపొట తింత్ సాడపై సెద్దిన్

సర్వి	సందొక	సపొట
బిందె	పెట్టె	సపోట

స	స	స	

గునింతా			
అక్షరం	గుర్తు	పదం - బొమ్మ	పదం - బొమ్మ
అ		తలప	పనస
ఆ	◌ా	పారెవ	గాజు
ఇ	◌ి	చింత	సిల్క
ఈ	◌ీ	సీడి	సీపుర్

అక్షరం	గుర్తు	పదం - బొమ్మ	పదం - బొమ్మ
ఉ	◌ు	దుత్త	తుర్రె
			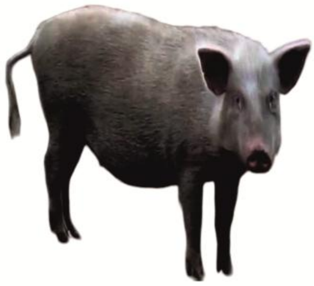
ఊ	◌ూ	గూగె	కూటె
ఎ	◌ె	చెండు	టెవ్వక్
ఏ	◌ే	మేకె	కేత్

అక్షరం	గుర్తు	పదం - బొమ్మ	పదం - బొమ్మ
ఒ	◌ొ	గొరియ	కొడ్కపిట్ట
ఓ	◌ో	పోత్	కోల
అం	◌ం	జంపర్	గంజ్

అంకే			
1	ఒక్కొడ్	ఒకటి	
2	ఇంది	రెండు	
3	మూంది	మూడు	
4	నాలి	నాలుగు	
5	ఐద్	ఐదు	
6	ఆర్	ఆరు	
7	ఏడ్	ఏడు	
8	ఎనిమ్‌మది	ఎనిమిది	
9	తొమ్‌మది	తొమ్మిది	
10	పది	పది	

11	అక్ర	పదకొండు	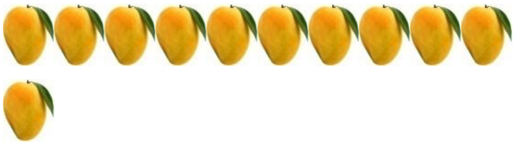
12	బార	పన్నెండు	
13	తేర	పదమూడు	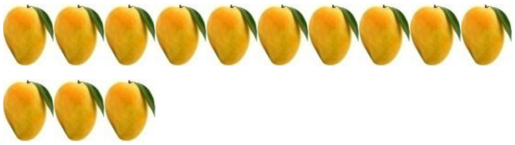
14	చౌవ్‌ద	పధ్నాలుగు	
15	పన్‌ద్ర	పదిహేను	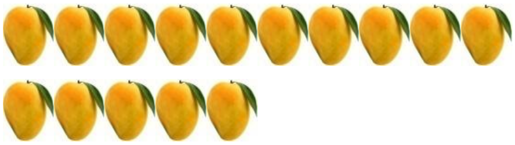
16	సోల	పదహారు	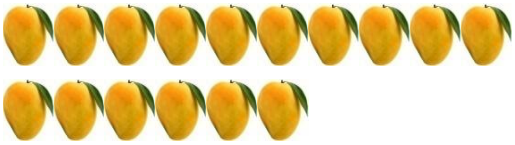
17	సత్ర	పదిహేడు	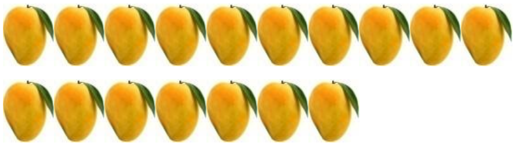
18	అట్ర	పద్దెనిమిది	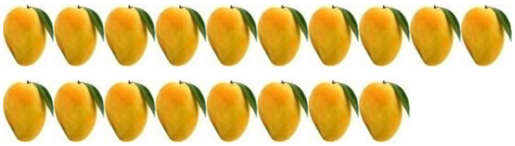
19	వన్నిస్	పంతొమ్మిది	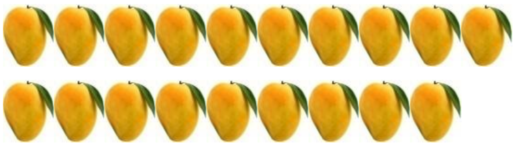
20	బీస్	ఇరవై	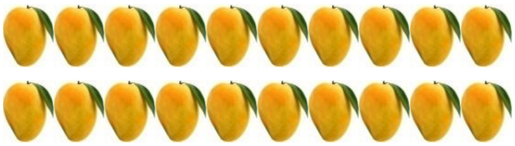

బూడ అంకెలున్ దిద్దుర్				
1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

తెలుగు వర్ణమాల

అచ్చులు

అ ఆ ఇ ఈ ఉ ఊ ఋ ఎ ఏ ఐ

ఒ ఓ ఔ అం అఁ అః

హల్లులు

క ఖ గ ఘ ఙ

చ ఛ జ ఝ ఞ

ట ఠ డ ఢ ణ

త థ ద ధ న

ప ఫ బ భ మ

య ర ల వ శ ష స హ ళ క్ష ఱ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download DIKSHA app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using DIKSHA

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SÜMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAON	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHALE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (45)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	ARABIC/ARBI	89	GUJARATI	98	LAHAULI	107	MUNDA	116	SANTALI (JHARKHAND)
81	BALTI	90	HINDI	99	LAHNDA	108	NICOBARESE	117	SINDHI
82	BENGALI	91	KANNADA	100	LAI (PAWI)	109	ODIA	118	TELUGU
83	BHILI/BHILODI	92	KASHMIRI	101	MAITHILI	110	PAITE	119	THADOU
84	BISHNUPURIYA (BISHNUPRIYA MANIPURI)	93	KHASI	102	MALAYALAM	111	PARJI	120	URDU
85	CHAKHESANG	94	KHOND/KONDH	103	MALTO	112	PHOM	121	VAIPHEI
86	CHOKRI	95	KOKBOROK (TRIPURI)	104	MARATHI	113	PUNJABI	122	ZELIANG
87	DOGRI	96	KONKANI	105	MARING	114	SANGTAM	123	ZEME (ZEMI)
88	GANGTE	97	KORWA	106	MONPA	115	SANSKRIT	124	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in